चीनी की तेजी पर लगाम लगाना आसान नहीं

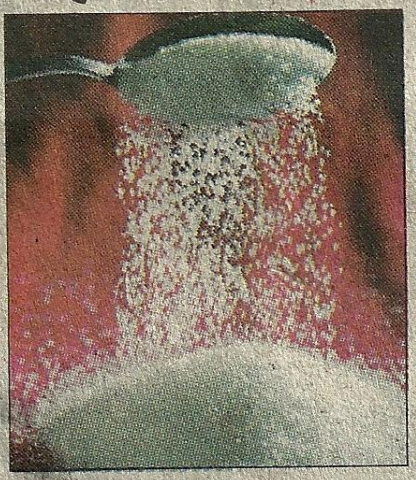

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : चीनी मूल्यों में अचानक आई तेजी से केंद्र सरकार सतर्क हो गई है और चीनी उद्योग के भी कान खड़े हो गए हैं। निर्यात की खुली छूट पर रोक लगाने की आशंका के मद्देनजर चीनी उद्योग सफाई देने में जुट गया है। उसका दावा है कि आगामी चीनी वर्ष (अक्टूबर, 2012-सितंबर, 2013) में घरेलू जरूरतों के मुकाबले अधिक उत्पादन होगा। केंद्र ने चीनी मूल्यों की तेजी थामने के लिए खुले बाजार में चार लाख टन अतिरिक्त चीनी बेचने की घोषणा की है। राजधानी के खुदरा बाजार में चीनी कीमतें 38 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई हैं।

चीनी मिलों के संगठन इस्मा का कहना है कि आगामी पेराई सीजन के लिए सरकार ने उचित व लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में 17 फीसद की वृद्धि की है।